SET-1

Series BVM/2

कोड नं.
Code No. **2/2/1**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे
Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 80
Maximum Marks : 80

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं – क, ख, ग ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमशः लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *12*

महिलाओं की मर्यादा और उनसे दुर्व्यवहार के मामले भी अन्य मामलों की तरह न्यायालयों में ही जाते हैं किंतु पिछले कुछ समय से ऐसे आचरण के लिए स्वयं न्यायपालिका पर उँगली उठाई जा रही है । काफ़ी हद तक यह समस्या न्यायपालिका की नहीं, बल्कि पूरे समाज की कही जा सकती है । जज भी समाज के ही अंग हैं, इसलिए यह समस्या न्यायपालिका में भी दिखाई देती है । हमारे समाज में क़ानून के पालन को लेकर बहुत शिथिलता है और अकसर क़ानून का पालन न करने को सामाजिक हैसियत का मानक मान लिया जाता है । वी.आई.पी. संस्कृति का छद्म सिद्धांत ही यह बना लिया गया है कि उसे सामान्य नियम-क़ानून नहीं पालन करने होते, क्योंकि वह महत्त्वपूर्ण व्यक्ति है । छोटे शहरों, कस्बों में सरकारी अफ़सरों की हैसियत बहुत बड़ी होती है । और जज भी उन्हीं हैसियत वाले लोगों में शामिल होते हैं । ऐसे में, अगर कुछ जज यह मान लें कि वे तमाम सामाजिक मर्यादाओं से ऊपर हैं, तो यह हो सकता है । माना यह जाना चाहिए कि जितने ज़्यादा ज़िम्मेदार पद पर कोई व्यक्ति है, उस पर क़ानून के पालन की ज़िम्मेदारी भी उतनी ही ज़्यादा है । ख़ास तौर से जिन लोगों पर क़ानून की रक्षा करने और दूसरों से क़ानून का पालन कराने की ज़िम्मेदारी है, उन्हें तो इस मामले में बहुत ज़्यादा सतर्क होना चाहिए लेकिन प्राय: ऐसा होता नहीं है । इस समस्या की ओर कई वरिष्ठ जज और न्यायविद ध्यान दिला चुके हैं कि न्यायपालिका में निचले स्तर पर अच्छे जज नहीं मिलते । इसकी एक बड़ी वजह यह है कि अच्छे न्यायिक शिक्षा संस्थानों से निकले अच्छे छात्र न्यायपालिका में नौकरी करना पसंद नहीं करते, क्योंकि उन्हें कामकाज की परिस्थितियाँ और आमदनी, दोनों ही आकर्षक नहीं लगतीं । नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट को तो बनाया ही इसलिए गया था कि अच्छे स्तर के जज और वकील वहाँ से निकल सकें, लेकिन देखा यह गया है कि वहाँ से निकले ज़्यादातर छात्र कॉर्पोरेट जगत में चले जाते हैं । अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्र भी बजाय जज बनने के प्रैक्टिस करना पसंद करते हैं । जजों की चुनाव प्रक्रिया में कई ख़ामियाँ हैं जिन्हें दूर किया जाना ज़रूरी है, ताकि हर स्तर पर बेहतर गुणवत्ता के जज मिल सकें ।

(क) गद्यांश को पढ़कर उचित शीर्षक लिखिए । *1*

(ख) आजकल न्यायपालिका पर उँगली क्यों उठाई जा रही है ? *1*

(ग) कुछ जज अपने आप को सारी सामाजिक मर्यादाओं से ऊपर क्यों मान लेते हैं ? *2*

(घ) जजों को अधिक सतर्क क्यों होना चाहिए ? *2*

(ङ) न्यायपालिका में निचले स्तर पर अच्छे जज क्यों नहीं मिलते ? *2*

(च) नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के अनेक अच्छे छात्र जज बनना क्यों नहीं चाहते हैं ? *2*

(छ) वी.आई.पी. संस्कृति की धारणा किस प्रकार सामाजिक अराजकता और ग़ैर-बराबरी को बढ़ावा देती है ? *2*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

यादें होती हैं गहरी नदी में उठी भँवर की तरह
नसों में उतरती कड़वी दवा की तरह
या ख़ुद के भीतर छिपे बैठे साँप की तरह
जो औचक्के में देख लिया करता है
यादें होती हैं जानलेवा ख़ुशबू की तरह
प्राणों के स्थान पर बैठे जानी दुश्मन की तरह
शरीर में धँसे उस काँच की तरह
जो कभी नहीं दिखता
पर जब-तब अपनी सत्ता का
भरपूर एहसास दिलाता रहता है
यादों पर कुछ भी कहना
ख़ुद को कठघरे में खड़ा करना है
पर कहना मेरी मजबूरी है ।

(क) यादों को नदी में उठी भँवर की तरह क्यों कहा गया है ?
(ख) कवि के पास ख़ुद को कठघरे में खड़ा करने की मजबूरी क्या है ?
(ग) यादों को शरीर में धँसे काँच जैसा मानने के पीछे क्या तर्क हो सकता है ?
(घ) यादों को जानी दुश्मन की तरह मानने का क्या आशय है ?

अथवा

गुलाब का फूल है हमारा पढ़ा-लिखा
मैंने उसे काफ़ी उलट-पुलट कर देखा है
मुझे तो वह ऐसा ही दिखा
सबसे बड़ा सबूत उसके गुलाब होने का यह है
की वह गाँव में जाकर बसने के लिए तैयार नहीं है
गाँव में उसकी प्रदर्शनी कौन कराएगा
वहाँ वह अपनी शोभा की प्रशंसा किससे कराएगा
वह फूलने के बाद किसी फ़सल में थोड़े ही बदल जाता है
मूरख किसान को फूलने के बाद
फ़सल देने वाला ही तो भाता है,
गाँव में इसलिए ठीक है अलसी और सरसों के फूल ।
बीच-बीच में यह प्रस्ताव कि गुलाब गाँव में चिकित्सा करे या पढ़ाए
पेश करने में कोई हर्ज़ नहीं है
मगर साफ़ समझ लेना चाहिए कि गुलाब का यह फ़र्ज़ नहीं है कि
गाँव जाकर खिले, अलसी और सरसों वगैरा से मिले
ढँक जाए वहाँ की धूल से
और वक्तन बवक्तन अपनी प्रदर्शनी न कराए
आमीन, गुलाब पर ऐसा वक्त कभी न आए ।

(क) गुलाब और अलसी-सरसों के फूलों से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(ख) पढ़े-लिखे गुलाब के गाँवों में जाकर बसने में क्या समस्याएँ हैं ?

(ग) 'मूरख किसान' को क्या भाता है और क्यों ?

(घ) 'आमीन, गुलाब पर ऐसा वक्त कभी न आए' से कवि का तात्पर्य क्या है ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) पुस्तकीय ज्ञान तक सिमटती शिक्षा

(ख) कठिन है मित्र की पहचान

(ग) अन्नदाता किसान की समस्याएँ

(घ) प्लास्टिक : एक पर्यावरण संकट

4. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर सीमा पर देश की रक्षा करते हुए अपना बलिदान देने वाले भारतीय सेना के जवानों के शौर्य एवं वीरता को रेखांकित कीजिए । *5*

अथवा

'युवा सहयोग संस्था' के अध्यक्ष के रूप में सचिव, आपदा नियंत्रण विभाग, केरल सरकार को पत्र लिखकर बाढ़ राहत सामग्री के रूप में एकत्रित दवाइयों और कपड़ों को पहुँचाने का प्रस्ताव प्रस्तुत कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : *1×4=4*

(क) इंटरनेट पर मौजूद हिन्दी की किन्हीं दो साहित्यिक पत्रिकाओं के नाम लिखिए ।

(ख) समाचार लेखन के संदर्भ में 'ककार' का क्या आशय है ?

(ग) 'वायस ओवर' क्या है ?

(घ) समेकित माध्यम किसे कहा जाता है ?

(ङ) इंटरनेट पत्रकारिता क्या है ?

6. 'जंकफूड और स्वास्थ्य' विषय पर एक आलेख लिखिए । *3*

अथवा

हाल ही में पढ़ी गई किसी खेल पुस्तक की समीक्षा लिखिए ।

7. 'मतदान केंद्र पर लगा लोकतंत्र का मेला' विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए । *3*

अथवा

विद्यालय में संपन्न स्वच्छता अभियान को विषय बनाकर एक फ़ीचर तैयार कीजिए ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी ।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों कहाँ जाई का करी ?
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकियत,
साँकरे सबैं पै, राम ! रावरें कृपा करी
दारिद दशानन दबाई दुनी, दीनबंधु ।
दुरित दहन देखि तुलसी हहा करी ।।

(क) तुलसीदास ने अपने समय की किन-किन समस्याओं को उठाया है ?

(ख) तुलसी किससे कृपा की उम्मीद कर रहे हैं और क्यों ?

(ग) दरिद्रता की तुलना किससे की गई है और उससे बचाव का उपाय क्या है ?

अथवा

आख़िरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर-ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी !
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया !
ऊपर से ठीक-ठाक
पर अन्दर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देखकर पूछा –
"क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?"

(क) भाषा को सहूलियत से बरतने में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

(ख) 'बात की चूड़ी मर गई' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(ग) भाषा प्रयोग के सन्दर्भ में इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :

'अन्दर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !'

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2=4*

नभ में पाँती-बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें ।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया ।

(क) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य लिखिए ।

अथवा

रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली
छायी है छटा गगन की हलकी-हलकी
बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे
भाई के है बाँधती चमकती राखी ।

(क) काव्यांश के भाव-सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×2=6*

(क) दिन ढलने पर कवि के पद शिथिल होने और उर में विह्वलता का अनुभव होने के क्या कारण हैं ? 'एक गीत' के आधार पर लिखिए ।

(ख) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि संबोध्य ('तुम') को भूल जाने का दंड क्यों माँग रहा है ?

(ग) 'उषा' कविता में भोर के नभ की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(घ) 'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि ने रस के अक्षय पात्र से रचनाकर्म की किन विशेषताओं का संकेत किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

फिर जीजी बोलीं, "देख तू तो अभी से पढ़-लिख गया है । मैंने तो गाँव के मदरसे का भी मुँह नहीं देखा । पर एक बात देखी है कि अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर ज़मीन में क्यारियाँ बना कर फेंक देता है । उसे बुवाई कहते हैं । यह जो सूखे हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है । यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, क़स्बा, गाँव पर पानीवाले फ़सल आ जाएगी । हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं । सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले ख़ुद दो तब देवता तुम्हे चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे । भईया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है । यथा राजा तथा प्रजा सिर्फ़ यही सच नहीं है । सच यह भी है कि यथा प्रजा तथा राजा । यही तो गांधी जी महाराज कहते हैं" ।

(क) बुवाई के लिए किसान किस प्रकार से श्रम करते हैं ?

(ख) त्याग की महत्ता को किसने बताया था ? समाज के लिए यह क्यों ज़रूरी है ?

(ग) 'यथा प्रजा तथा राजा' से जीजी क्या कहना चाहती थीं ?

अथवा

"जब डिवीज़न हुआ तभी आए, मगर हमारा वतन ढाका है, मैं तो कोई बारह-तेरह साल का था । पर नज़रुल और टैगोर को तो हम लोग बचपन से पढ़ते थे । जिस दिन हम रात यहाँ आ रहे थे उसके ठीक एक वर्ष पहले मेरे सबसे पुराने, सबसे प्यारे, बचपन के दोस्त ने मुझे यह किताब दी थी । उस दिन मेरी सालगिरह थी – फिर हम कलकत्ता रहे, पढ़े, नौकरी भी मिल गई, पर हम वतन आते-जाते थे ।"

"वतन ?" सफ़िया ने ज़रा हैरान होकर पूछा ।

"मैंने आपसे कहा न कि मेरा वतन ढाका है ।" – उन्होंने ज़रा बुरा मानकर कहा ।

"हाँ-हाँ, ठीक है, ठीक है ।" सफ़िया जल्दी से बोली ।

"तो पहले तो बस इधर ही कस्टम था, अब उधर भी कुछ गोलमाल हो गया है ।"

(क) भारतीय कस्टम अधिकारी ने ऐसा क्यों कहा कि 'मगर हमारा वतन ढाका है' ?

(ख) कस्टम अधिकारी ने सफ़िया के साथ किन स्मृतियों को साझा किया ?

(ग) "विभाजन की विभीषिका झेलने के बावजूद विस्थापित हुए लोगों में अपनी जन्मस्थली के प्रति गहरा लगाव मौजूद है" – टिप्पणी कीजिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) " 'पहलवान की ढोलक' कहानी पारंपरिक रूप से लोकप्रिय रहे कुश्ती जैसे खेलों के प्रति नई पीढ़ी की सोच में आए परिवर्तनों को भी दर्ज करती है," टिप्पणी कीजिए । *3*

(ख) डॉ. आम्बेडकर ने शाब्दिक अर्थ में असंभव होते हुए भी 'समता' को नियामक सिद्धांत मानने पर बल क्यों दिया है ? *3*

(ग) मेंढक-मंडली से लेखक का क्या तात्पर्य है ? वह उन पर पानी डालने को क्यों व्यर्थ मानता था ? *3*

(घ) किस प्रकार के मनुष्य बाज़ार को सार्थकता देते हैं ? *1*

13. 'जूझ' के लेखक ने अपने मराठी शिक्षक सौंदलगेकर से किन गुणों और जीवन-मूल्यों को ग्रहण किया ? क्या आज भी उनकी प्रासंगिकता है ? *4*

अथवा

ऐन फ्रैंक की डायरी विश्व की सर्वाधिक पढ़ी गई पुस्तकों में से एक है । इसके क्या कारण हैं ?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×2=8*

(क) हमारे पूर्वजों ने पाँच हज़ार वर्ष पहले किस प्रकार विश्व को व्यवस्थित जीवन जीने का तरीका सिखाया था ? 'अतीत के खंडहर' पाठ के आधार पर सोदाहरण उत्तर दीजिए ।

(ख) यशोधर बाबू ने किशनदा से किन जीवन-मूल्यों को पाया था ? क्या आप भी उन्हें अपनाना चाहेंगे ? क्यों ?

(ग) 'जूझ' पाठ के लेखक के पिता अपने बेटे की पढ़ाई के विरुद्ध क्यों थे ? शिक्षा के प्रति अपनाया गया उनका यह रवैया वर्तमान सन्दर्भों में त्याज्य क्यों है ?

(घ) ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी एक निर्जीव गुड़िया 'किट्टी' के नाम संबोधित चिट्ठी के रूप में क्यों लिखी ? इस आलोक में तत्कालीन राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी कीजिए ।

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2019
अंक योजना हिन्दी 'केन्द्रिक'
कक्षा – XII

कूटबंध 2/2/1
2/2/2
2/2/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				खंड – क	
1.	1.	1.	1.	**अपठित गद्यांश**	12
	क	क	क	• न्याय की मर्यादा • जजों की भूमिका • समाज और न्याय (अन्य समुचित शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
	ख	ख	ख	• अमर्यादित व्यवहार के कारण • न्याय पालिका भी सामाजिक व्यवहार से प्रभावित (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1
	ग	ग	ग	• प्रतिष्ठित एवं महत्वपूर्ण व्यक्ति होने का दिखावा • वी.आई.पी. संस्कृति के कारण	1+1=2
	घ	घ	घ	• कानून के रक्षक • जिम्मेदार पद पर • दूसरों से कानून पालन करवाने का दायित्व	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				• समाज के लिए उदाहरण (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
	ङ	ङ	ङ	• निचले स्तर पर कामकाज की परिस्थितियाँ और आमदनी दोनों ही आकर्षक नहीं • मनोनुकूल नहीं	1+1=2
	च	च	च	• जज बनने की अपेक्षा कॉर्पोरेट जगत में असीमित आय एवं स्वछंदता का आकर्षण	2
	छ	छ	छ	• सामाजिक प्रतिष्ठा/हैसियत को मानक मानना • वी.आई.पी. संस्कृति में सामान्य नियम–कानून का पालन नहीं करने वाला व्यक्ति महत्वपूर्ण	1+1=2
2.	2.	2.	2.	**अपठित काव्यांश**	
	क	क	क	• मन में हल–चल मचा देती है • अपने साथ व्यक्ति को यादों की गइराई में ले जाती है (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1
	ख	ख	ख	• यादें अतीत का झरोखा • आत्म–विश्लेषण का अवसर देती हैं • अतीत को वर्तमान में जीवंत कर देती हैं (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	ग	ग	ग	• बाहर से दिखाई नहीं देतीं परंतु भीतर ही भीतर टीसती रहती हैं • प्रत्यक्ष दिखाई न देने वाली अपरिमित और तीक्ष्ण पीड़ा देती हैं (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	½+½=1
	घ	घ	घ	• दुश्मन की तरह हमेशा तंग करती रहती हैं	1
				अथवा	
	क	क	क	• शहरी अक्खड़ और अहंकारी युवा एवं ग्रामीण सीधा–सरल युवा	1
	ख	ख	ख	• प्रसिद्धि, दिखावे एवं झूठी प्रशंसा के अवसर नहीं • ग्रामीण परिवेश के साथ सामंजस्य बैठाना कठिन (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1
	ग	ग	ग	• फल, फूल, पौधे, फसल देने वाले; • क्योंकि यह जीवनोपयोगी हैं	1
	घ	घ	घ	कवि व्यंग्यात्मक तरीके से कह रहा है कि दिखावे का जीवन जीने वालों का कठोर यथार्थ से कभी पाला न पड़े	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				खंड–ख	
3.	3.	3.	3.	**किसी एक विषय पर अनुच्छेद अपेक्षित** • विषय–वस्तु 3 • प्रस्तुति और भाषा 2 • भाषा 2	5
4.	4.	4.	4.	**पत्र लेखन** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 • विषयवस्तु 3 • भाषा 1	5
5.	5.	–	–	**'अभिव्यक्ति और माध्यम' से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	1x4=4
	क			• हिंदी सराय, समालोचन, वागर्थ, प्रभा साक्षी, तद्भव, अभिव्यक्ति हिंदी, अक्षर पर्व, इंडिया टुडे, अनुभूति हिंदी, कादंबिनी, उर्वशी, परिचय आदि (कोई दो अपेक्षित)	½+½=1
	ख	–	–	किसी भी समाचार या रिपोर्ट में इन ककारों–क्या, कब, कौन, कहाँ, क्यों और कैसे के उत्तर अपेक्षित	1
	ग	–	–	गतिमान/चलायमान दृश्य के पीछे से आ रही ध्वनि	1
	घ	–	–	इंटरनेट	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	ङ			इंटरनेट पर समाचारों का प्रकाशन या आदान–प्रदान	1
	–	5. क	–	• त्वरित गति से/तीव्रता से समाचारों एवं सूचनाओं का प्रसारण • दूर–दराज के क्षेत्रों में पहुँच • समय की बचत • प्रतिभा–प्रदर्शन हेतु सहज–सुलभ मंच (कोई दो बिंदु अपेक्षित, अन्य समुचित उत्तर भी स्वीकार्य)	½+½=1
	–	ख	ग	• छपे हुए शब्दों में स्थायित्व • अपनी गति, समय एवं कहीं भी पढ़ने की सुविधा • विश्वसनीयता • संग्रह/संदर्भ हेतु उपयोगी • चिंतन/विचार/विश्लेषण का माध्यम (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
		ग		समाचार किसी भी ऐसी घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट होता है, जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रुचि हो और जिसका अधिकाधिक लोगों पर प्रभाव पड़ रहा हो	1
		घ		प्रिंट माध्यम (समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि),	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				रेडियो, टेलीविजन, टेलीफोन, इंटरनेट (कोई चार अपेक्षित)	
		ङ		• भाषा परदे पर दिखने वाले दृश्यों के अनुकूल हो • कम से कम शब्दों में अधिकाधिक खबरों का समावेश • भाषा सरल, प्रभावी और संप्रेषणीय हो • विजुअल शाट्स और वॉइस ओवर में सामंजस्य (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	½+½=1
	–	–	5. क	• समाचारों के अलावा खेल, अर्थ, व्यापार, सिनेमा या मनोरंजन आदि विभिन्न क्षेत्रों और विषयों से संबंधित लेखन • किसी विषय पर सामान्य से हटकर लेखन	½+½=1
			ख	साक्षात्कार द्वारा पत्रकारीय लेखन हेतु सामग्री उपलब्ध होती है।	1
			घ	फैशन, ग्लैमर, पार्टियों–महफिलों एवं प्रसिद्ध लोगों	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				के निजी जीवन के विषय में की जाने वाली पत्रकारिता	
			ङ	समाचार किसी भी ऐसी घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट है, जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रुचि हो और जिसका अधिकाधिक लोगों पर प्रभाव पड़े एवं जानकारी प्राप्त हो	1
6.	6.	6.	6.	**आलेख लेखन** • विषय–वस्तु 2 • भाषा और प्रस्तुति 1 **अथवा** **पुस्तक समीक्षा** • विषय–वस्तु 2 • भाषा एवं प्रस्तुति 1	3 3
7.	7.	7.	7.	**फीचर लेखन** • विषय–वस्तु 2 • भाषा एवं प्रस्तुति 1	3
8.	8.	8.	8.	**काव्यांश पर पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	2x3=6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	क	क	क	अकाल, गरीबी, बेरोज़गारी, व्यापार की हानि एवं सामाजिक मूल्य–हीनता को	½+½+½+½
	ख	ख	ख	• आराध्य देव/प्रभु श्रीराम से; • क्योंकि उनकी कृपा से ही कष्टों से निवारण हो सकेगा	1+1=2
	ग	ग	ग	• रावण से; • दीनबंधु राम की कृपा से	1+1=2
				अथवा	
	क	क	क	सही शब्दों का चुनाव, सार्थक वाक्य प्रयोग और कहने योग्य उचित विषय–वस्तु (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	ख	ख	ख.	निरर्थक प्रयोग से बात का प्रभावहीन होना	2
	ग	ग	ग	बात में अर्थ, भाव और संप्रेषणीयता की शक्ति नहीं होना	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
9.	9.	9.	9.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	2+2=4
	क	क	क	• भाषा मधुर कोमलकांत • सरल, सुबोध, खड़ी बोली, प्रवाहमय • मुक्तक छंद • ''तैरती की ————————————'' मानवीकरण अलंकार • 'आँखें चुराना' मुहावरे का सुंदर प्रयोग • हौले–हौले–पुनरुक्ति प्रकाश • मनोरम दृश्य बिंब • तुकबंदी के कारण गेय (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	ख	ख	ख	• आकाश में पंक्ति बनाकर उड़ते हुए सफ़ेद बगुले काले बादलों के ऊपर साँझ की श्वेत काया के समान प्रतीत • कवि की आँखों का इस नयनाभिराम दृश्य में उलझना	1+1=2
	अथवा	अथवा	अथवा		
	क	क	क	सावन मास में आने वाला रक्षाबंधन का पर्व भाई/बहन के अटूट स्नेह का प्रतीक, संबंधों में स्नेह की रसधारा का प्रवाह, बादल–बिजली के समान दैदीप्यमान रिश्ता/संबंध बहन–भाई को बिजली जैसी चमकीली राखी बाँधती है जो कि रेशम के लच्छों जैसी कोमल है।	2
	ख	ख	ख	• भाषा सरल, सुबोध, सरस एवं प्रवाहमयी है। • रुबाई छंद • प्रसाद गुण	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				• 'हल्की–हल्की' पुनरुक्ति–प्रकाश अलंकार (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
10.	10.	–	–	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	3x2=6
	क			• घर में प्रतीक्षारत कोई नहीं • अकेलेपन की अनुभूति	1½+1½
	ख			• (तुम) प्रिय की ममता और स्नेह से अपने को कमज़ोर मानकर • अपनी अतिशय भावुकता और संवेदनशीलता से स्वयं ही–पीड़ित होकर • वर्तमान के एकाकी जीवन की निराशा से	3
	ग			• राख से लीपे हुए चौके से • लाल केसर से धुली काली सिल • स्लेट पर मल दी गई लाल, खड़िया • नीले तालाब में गोरी नायिका का झिलमिलाता प्रतिबिंब; • प्रातः कालीन सौंदर्य, पवित्रता ओर स्वच्छता को बताने के लिए (किन्ही तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3
	घ			• शब्द के अंकुर अपरिमित, चिरस्थायी • रचनाकर्म से रसास्वादन एवं ऊर्जा प्रदान • अमृत जैसे आनंद की अनुभूति	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	—	10. क	—	• अपने जीवन में मिली आशा–निराशाओं से सन्तुष्टि • कवि के लिए संसार मिथ्या • हानि–लाभ, सुख–दुख, यश–अपयश में समभाव • मनमौजी, अपने आप में मस्त • संसार के प्रति निस्पृह/निरपेक्ष • संवेदनशील (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
		ख		• नवीन, मनोरम, मौलिक कल्पनाओं के आकाश में उड़ रहे हैं • उत्साह उन्हें पतंग की भांति कल्पनाओं की नई ऊँचाइयों तक ले जाती है	1+1+1=3
		ग		• समाज में नारी को सहज उपलब्ध माना जाता था। तुलसी ने कहा है कि सुत, बित, नारी, भवन और परिवार संसार में सहज सुलभ • नारी की स्थिति एक वस्तु मात्र, तुलसीदास ने नारी की तुलना • धन और भवन से की है जोकि स्थूल वस्तुएँ हैं • नारी को समुचित सम्मान नहीं दिया जाता था। तभी तुलसी ने कहा है कि नारी की क्षति कोई विशेष क्षति नहीं है	1½+1½=3
		घ		• तुम कवि की प्रिया/कवि की माँ/मित्र/आत्मीय; • क्योंकि उसने कवि को उसकी समस्त	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				अच्छाइयों किंवा कमियों के साथ सहर्ष स्वीकारा है	
	–	–	10. क	• लक्ष्मण के घायल होने पर प्रभु राम और उनकी सेना शोक ग्रस्त होकर करुणा के सागर में ; • संजीवनी बूटी के साथ हनुमान जी आते ही सर्वत्र हर्ष और वीरता के भावों का प्रस्फुटन	1½+1½=3
			ख	• प्रिया की विस्मृति (भूलने) का दंड • गहन अंधकार में विलीन होना चाहता है; • प्रिया का स्नेह कवि को असह्य • प्रिया की ममता और कोमलता उसे पराश्रित बनाती है • अपने अस्तित्व को अनुभव करना चाहता है • आत्मनिर्भर बनना चाहता है • अपराधबोध एवं आत्मग्लानि से ऊपर उठकर अपने आपको सिद्ध करना चाहता है (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2=3
			ग	• खरगोश की आँखों जैसा सवेरा आदि रमणीय एवं मनमोहक दृश्य बिंब • 'घंटी जोर से बजाते हुए' बिंब का नादसौंदर्य सचमुच कानों में घंटियों की मधुर ध्वनि उत्पन्न करने में सक्षम • 'आकाश को मुलायम बनाते हुए' में निहित स्पर्श बिंब द्वारा कोमल छुअन का अनुभव • बच्चों का चारों दिशाओं में दौड़ना मानो दिशाओं को मृदंग की तरह बजाना • बच्चों के शरीर का डालों जैसी लचीलापन	1+1+1=3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	
			घ	अपने को जानना दुनिया को जानने से अधिक कठिन है। समाज से व्यक्ति का नाता खट्टा–मीठा होता है, लेकिन इस तरह कटकर, तटस्थ अथवा निरपेक्ष रहकर भी जीवन जिया नहीं जा सकता। इसलिए कवि कहता है कि संसार से उसका नाता प्रीतिकलह का है उसका जीवन विरुद्धों का सामंजस्य है। कवि संसार की अधिक परवाह नहीं करता और अपनी धुन में मस्त रहता है। अपनी मनोव्यथा और आक्रोश को कवि कविताओं द्वारा अभिव्यक्त करता है।	3
11.	11.	11.	11.	**गद्यांश पर आधारित प्रश्न–**	2x3=6
	क	क	क	• जमीन की निराई, गुड़ाई, मिट्टी तोड़ना, हल चलाना, क्यारियाँ बनाना, बीज बोना, खाद डालना, सिंचाई करना	2
	ख	ख	ख	• ऋषि मुनियों ने; पहले स्वयं देना होगा तभी देवता उसे कई गुना करके लौटाएँगे	1+1=2
	ग	ग	ग	• प्रजा में इतनी शक्ति होती है कि वह अपने अनुसार राजा को चलने के लिए बाध्य कर सकती है	1+1=2
				अथवा	
	क	क	क	• राजनीतिक तौर पर लोग भले ही विस्थापित हो जाएँ मातृभूमि से भावनात्मक लगाव बना ही रहता है	2
	ख	ख	ख	• अपने वतन के रूप में ढाका को; नजरूल	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				और टैगोर को ● अपने बचपन एवं बचपन के प्यारे दोस्त को; कलकत्ता को ● ढाका की डाभ को (किन्ही दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	ग	ग	ग	● जन्मभूमि या मातृभूमि के प्रति गहरा भावनात्मक लगाव ● जन्मस्थली की प्रकृति एवं परिवेश से गहरा जुड़ाव ● इष्ट–मित्र,नाते–रिश्तों के प्रति असीम प्रेम ● छोटी से छोटी घटना या संस्मरण भी ज्यों का त्यों हृदय पर अंकित (किन्ही दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
12.	12. क	–	–	**सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** ● पुराने समय का लोकप्रिय खेल, बल, साहस एवं कौशल का समन्वय 'कुश्ती' को जनता और शासन का समर्थन ● कुश्ती का खेल ग्रामीण संस्कृति की पहचान न कि शहरी संस्कृति ● नई पीढ़ी का समय के साथ तकनीकी–मनोरंजन तथा अर्थोपार्जन में सहायक खेलों की ओर झुकाव और कुश्ती की उपेक्षा	10 1+1+1=3
	ख			● समता अर्थात् मानव मात्र के लिए समान व्यवहार ● सभी मनुष्यों को बराबरी के अवसर ● मनुष्य के गुणों और क्षमताओं में अंतर के	1+1+1=3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				बावजूद किसी भी समाज को कमज़ोर के साथ असमान बर्ताव की अनुमति नहीं	
	ग			• उछल–कूद, शोर–शराबा करती, कीचड़ में लोटती, गंगा मैया का जयकारा लगाती ग्रामीण बालकों की टोली, उम्र दस–बारह से लेकर सोलह–अठारह वर्ष, साँवला नग्न शरीर, इंद्र देवता से वर्षा हेतु प्रार्थना करते बालक • सूखे की समस्या, चारों ओर पानी की कमी, ऐसे में मेंढक मंडली पर पानी डालना व्यर्थ	1+2=3
	घ			• जो यह जानते है कि उन्हें बाजार से क्या चाहिए	1
	—	12. क	—	• लेखिका के इधर–उधर पड़े रुपए–पैसे भंडार–घर की मटकी में छिपा देती, पूछे जाने पर तर्क–वितर्कों द्वारा स्वयं को सही सिद्ध करती • लेखिका को प्रसन्न करने के लिए झूठ बोलती • शास्त्र सम्मत बातों को अपनी सुविधानुसार सुलझाती ओर किसी तर्क को नहीं मानती • दूसरों को अपने अनुसार ढालना चाहती लेकिन स्वयं किसी परिवर्तन को स्वीकार नहीं करती • पढ़ाई–लिखाई में कोई रुचि नहीं • ढ़ंग से पहनती–ओढ़ती नहीं • छुआछूत में विश्वास (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	1+1+1=3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
		ख		• आवश्यकताएँ सीमित • मन पर पूर्ण नियंत्रण • बाजार के जादू से अप्रभावित	1+1+1=3
		ग		• आधुनिकता की चमक–दमक और दिखावे वाली संस्कृति, सीधी–सादी–सरल लोक कलाएँ और कलाकार आधुनिक पीढ़ी को न तो प्रभावित कर पाते हैं और न हि मनोरंजक लगते है • आधुनिक परिवेश एवं तकनीक ने कलाओं और खेलों का स्वरूप बदल दिया • जीवन–शैली में परिवर्तन	1+1+1=3
		घ		• समाज के सभी वर्गों तथा मनुष्यों के साथ समान व्यवहार	1
	–	–	12. क	• अभावग्रस्त कष्टप्रद बचपन • भयंकर गरीबी • परित्यकता और दोयमदर्जे की अभिनेत्री रह चुकी माँ • माँ का पागलपन • पिता की छत्रछाया से वंचित • बड़े–बड़े पूँजीपतियों एवं सामंतों द्वारा दुत्कारना, अपमानित करना • समाज की कटु सच्चाइयों को करीब से देखना • उपर्युक्त घटनाओं ने चार्ली में हास्य का माद्दा पैदा किया और उनके व्यक्तित्व को निखारा	2+1=3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
			ख	• राजा श्यामानंद लोक कलाओं और कलाकारों को राज्याश्रय तथा मान–सम्मान देते थे, उन्हें कुश्ती जैसे खेल पसंद • विलायती संस्कृति में पले पुत्र को कुश्ती या पहलवानी में कोई रुचि नहीं, वह इसे राजकोष पर बोझ समझता था • दो पीढ़ियों के मध्य दृष्टिकोण का अंतर • बदलते समय के साथ बदलती सोच	2+1=3
			ग	• बाजार का जादू चढ़ने पर मनुष्य का आकर्षण में में बँधना, अनावश्यक खरीदारी करना • जादू उतरने पर फैंसी चीज़ों की बहुतायत से मन में खलल, खरीदी गई वस्तुएँ निरर्थक लगना • थोड़ी देर के लिए अहम की संतुष्टि बाद में मन का विचलित होना	3
			घ	• भाग्यहीनता व दरिद्रता के कारण वास्तविक नाम 'लक्ष्मी' की सार्थकता व्यर्थ	1
13.	13.	–	–	• विषय की गहराई में जाना • अभिनेयता • भाव तथा लय को महत्त्व देना • सकारात्मक दृष्टिकोण • विद्यार्थियों के प्रति स्नेह व सम्मान • प्रेरणा • परिश्रम • हार न मानना, निराश न होना • लगनशील होना	2+2=4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				• निरंतर अभ्यास (किन्हीं चार बिंदुओं का सोदाहरण स्पष्टीकरण अपेक्षित) अथवा • डायरी द्वारा एक किशोरवय यहूदी लड़की की संवेदनशीलता एवं भोगे हुए यथार्थ की प्रस्तुति • द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजी शासन द्वारा दी गई यातनाओं की मार्मिक अभिव्यक्ति जिसे बाद में प्रमाणिकता और जीवंतता के लिए सराहा गया	2+2=4
	—	13.	—	• शादी की बधाई मिलने पर झेंपना व खुश होना • अधीनस्थों के प्रति उदारतापूर्ण व्यवहार • पार्टी की माँग पर चाय–मट्ठी लड्डू के लिए चड्ढा को रुपए देना • ऑफिस वालों पार्टी देना पर स्वयं उसमें शामिल न होना • उस दिन भी अपने निर्धारित समयानुसार ही दफ्तर छोड़कर घर गए (अन्य तर्कसम्मत उत्तर भी स्वीकार्य)	4
				अथवा • समाज में नारी की स्थिति अत्यंत दयनीय • पुरुष प्रधान समाज द्वारा नारी का शोषण, अबला समझना • स्त्रियों को घर से निकलने की अनुमति नहीं • स्त्रियों की स्वतंत्रता एवं वैयक्तिक विकास में पुरुष बाधक	4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				• स्त्रियों की पहचान केवल संतानोत्पत्ति की मशीन के रूप में	
	–	–	13.	• यशोधरा बाबू को अपने अधीनस्थ क्लर्क चढ़ढा का मज़ाकिया व्यवहार 'समहाऊ इंप्रापर' लगता है; मुझे भी बड़ों का लिहाज न करना, शालीन व्यवहार न करना 'समहाऊ इंप्रापर' लगता है। • भूषण द्वारा पिता यशोधरा बाबू को महँगा ऊनी ड्रेसिंग गाउन देकर कहना कि आप इसे पहन कर दूध लेने जाएँ उन्हें 'समहाऊ इंप्रापर' लगता है; भूषण का यह व्यवहार मुझे भी 'समहाऊ इंप्रापर' लगता है। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	2+2=4
				अथवा	
				कविता के प्रति लगाव से पूर्वः– • अकेलेपन की पीड़ा और निराशा • जीवन के प्रति उत्साह न होना कविता के प्रति लगाव के बाद– • उसे अकेलापन भी अच्छा लगने लगा • कविता सृजन में किसी प्रकार का विघ्न स्वीकार्य नहीं • आशावादी एवं आत्मविश्वासी बन गया; • जीवन के प्रति उत्साह क्योंकि खालीपन, निराशा एवं जीवन की निरर्थकता का द्योतक जबकि सृजनशीलता, कमर्ठता अथवा काम में लगे होना जीवन के प्रति आस्था, आशा, आत्म–विश्वास एवं पूर्णता का प्रतीक	1+1+2=4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
14.	14.	14.	14.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**	
	क	क	क	• सुनियोजित सड़कें, गलियाँ, नालियाँ • व्यवस्थित नगर योजना • नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता • साक्षर, सुसंस्कृत एवं स्वानुशासित समाज • लिपि चिह्नों का प्रयोग • कृषिकर्म • उच्चकोटि का हस्तशिल्प एवं लोककलाएँ (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य छात्र उदाहरणों द्वारा बिंदुओं का विस्तार करेंगे)	4
	ख	ख	ख	जीवन–मूल्य • अनुशासन • कार्यनिष्ठा • सिद्धांतप्रियता • पारंपरिक मूल्यों का सम्मान • संयुक्त परिवार के आदर्शों के प्रति मोह • सादा जीवन • समय के पाबंद • धार्मिक मूल्यों में आस्था • कृतज्ञता • निर्लोभ (प्रश्न के अगले हिस्से का उत्तर विद्यार्थी अपने विवके/समझ से तर्क देकर स्पष्ट करेंगे उपयुक्त उत्तर पर अंक दिए जाएँ)	2+2=4
	ग	ग	ग	• पढ़ाई–लिखाई से बेटे का ध्यान भटक सकता है	2+2=4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
	घ	घ	घ	• शिक्षा के प्रति जागरुक नहीं; रवैया त्याज्य क्योंकि– • शिक्षा अज्ञान की विनाशक • व्यक्तित्व विकास में सहायक (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) • गोपनीयता बनाए रखने के लिए • मन की व्यथा मित्र के साथ बाँटने के लिए; • नगर/निगम चुनाव में हिटलर की नाजी पार्टी की जीत • नीदरलैंड पर जर्मनी का कब्ज़ा • नाज़ियों द्वारा यहूदियों पर अत्याचार	2+2=4